



प्राप्त

पुस्तक विपुलिका की राय अथवा गुणवत्ता का विवरण, यद २०१७-१८

1. अधिकारी/कार्यकारी का (पूरा) नाम तथा उस सेवा का नाम, विषय वर हो

रविशंकर कुमार पाठक

2. वर्तमान पद का नाम

प्राचार्य (42)

राजेश्वर उरुबाड रसिकानुबुध

3. वर्तमान वेतन

अगली वेतनवृद्धि की तारीख

21/11/18

उस जिले, उस संभाग, तालुका तथा नाम का स्रोत विवरण	संघर्ष का नाम तथा स्थिति		वर्तमान पद	यदि संघर्ष के नाम पर न हो तो कारण बताइए कि वह किसके नाम पर चल रहा है और उसका प्रभाव क्या है	उसके विषय प्रकृत अतिरिक्त किना नाम से जाना जाता है और उसका प्रभाव क्या है	उसके विषय प्रकृत अतिरिक्त किना नाम से जाना जाता है और उसका प्रभाव क्या है	संघर्ष से	संघर्ष से
	संघर्ष का नाम तथा स्थिति	प्राप्त						
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)	(7)	(8)	(9)
जोधपुर जिला	राजेश्वर उरुबाड	-	राजेश्वर उरुबाड	-	राजेश्वर उरुबाड	राजेश्वर उरुबाड	राजेश्वर उरुबाड	राजेश्वर उरुबाड

जहाँ लागू न हो काट दीजिए।

इसमें नामों में जहाँ प्रत्येक का सही-सही विवरण करना संभव न हो, वहाँ वर्तमान विवरण के अन्तर्गत में समाया मूल्य दर्शाया जाय।

इसमें अन्तर्गत में प्रदत्त भी सम्मिलित है।  
 विवरण : राज्य सरकार के अधिनियम 18(3) के अन्तर्गत प्रमाण देना, विशेष रूप से सेवा के प्रत्येक तदर्थ में यह अवधि है कि वह सेवा में प्रदत्त प्रमाण के साथ और उसके बाद प्रत्येक बार प्रदत्त की अवधि के परमाणु यह भी प्रमाण-पत्र पर कर प्रमाणों और उसमें वह उनके स्वामित्व की तथा उसके द्वारा अतिरिक्त अवधि उस विवरण में मिली या उससे अन्य नाम पर या उनमें परिवर्तन के अतिरिक्त के नाम पर या किसी अन्य व्यक्ति के नाम पर प्रदत्त या प्रदत्त का प्रमाण पर उसके द्वारा प्रमाण संयोजन अथवा संघर्ष के अन्तर्गत है।

नाम ..... राजेश्वर उरुबाड  
 पद ..... प्राचार्य (42)  
 राजेश्वर उरुबाड

अनुमान अधिकारी  
 रघुल शिक्षा विभाग

पार्श्व

पुष्प नियुक्ति से: सपथ जायस रमपति का विभाग, यद २० 1983-90

1. अधिकारी/कर्मचारी का (पूरा) नाम तथा उस सेवा का नाम, जिसमें वह हो जाइस कुशल चाइस 2. वर्तमान पालि पर ८ मजिसान 1

3. वर्तमान वेतन 1540/..... अगली वेतनवृद्धि की तारीख .....

उस जिले, उप संभाग, तालुका तथा ग्राम का नाम, जिसमें संगति स्थित हो	संगति का नाम तथा ब्यक्ति		* वर्तमान मूल्य	यदि स्वयं के नाम पर न हो तो यतना दे कि वह किसके नाम पर पालि है और उसका पारकीय कर्मचारी से क्या संबंध है	उसे किस प्रकार अंकित किया गया * * * * * जोर, पेट, चयन, विरोध, धेट in अन्य किसी प्रकार से तथा अर्थन की तारीख और जिससे अंकित की गई हो उसका नाम तथा ब्यक्ति	संगति से वारिक आय	अभिपुक्ति
	गृह तथा अन्य धन	धूम					
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)	(7)	(8)
Nil							

जहां लागू न हो काट दीजिए।

ऐसे मामलों में जहां मूल्य का सही-सही विवरण कला संभव न हो, वहां वर्तमान स्थिति के तहत में लागू मूल्य वर्तमाना जाए।

\*\*\* इसमें अन्तर्कोलीन पट्टे भी सम्मिलित है।

विषयगत: यलसदरा रासकीय सेवक (अनारथ) नियम, 1959 के नियम 18(2) के अधीन प्रथम श्रेणी के प्रत्येक तदस्य से यह अर्थात् है कि वह सेवा में पहली नियुक्ति के समय और उसके बाद प्रत्येक चार महीने की अवधि के परचान यह घोषणा-पत्र पर कर प्राप्ति करें और उसमें वह उनके स्वाधिकारी की तथा उसके द्वारा अंकित अधिका उस विवरण में मिली या जारी अन्य नाम पर या उसके परिचालन किसी तदस्य के नाम पर या किसी अन्य व्यक्ति के नाम पर पट्टे या चपक पर उसके द्वारा पालि सफल अवल संगति से ब्यक्ति दें।

हस्ताक्षर

नाम: डा. डी. डी. कुशल चाइस

पर: C. S. Chaudhary

अनुमान अधिकारी

स्वयं शिक्षा विभाग